



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 380]
No. 380]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 8, 2003/श्रावण 17, 1925
NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 8, 2003/SRAVANA 17, 1925

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 2003

सा.का.नि. 645(अ).—राष्ट्रीय राजमार्ग अधिकरण (अधिकरण के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्ति के लिए प्रक्रिया) नियम, 2003 का निम्नलिखित प्रारूप, जिन्हें केन्द्रीय सरकार राष्ट्रीय राजमार्ग नियंत्रण (भूमि और यातायात) अधिनियम, 2002 (2003 का 13) की धारा 50 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार, ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किए जाते हैं और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर उस तारीख से, जिसको भारत के राजपत्र में यथाप्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, तीस दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा ;

ऐसे किन्हीं आक्षेपों या सुझावों पर पर जो उक्त प्रारूप की बाबत किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर प्राप्त होते हैं, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी ;

आक्षेप या सुझाव, श्री यू.एस.तिवारी, उप सचिव, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, परिवहन भवन, 1, संसद मार्ग, नई दिल्ली- 110001. को भेजे जा सकते हैं ।

प्रारूप नियम

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय राजमार्ग अधिकरण (अधिकरण के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्ति के लिए प्रक्रिया) नियम, 2003 है ।

- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।
2. परिभाषाएं- (1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो-
- (क) “अधिनियम” से राष्ट्रीय राजमार्ग नियंत्रण (भूमि और यातायात) अधिनियम, 2002 (2003 का 13) अभिप्रेत है ;
- (ख) “अधिकरण” से अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) के अधीन स्थापित राष्ट्रीय राजमार्ग अधिकरण अभिप्रेत है ;
- (ग) “पीठासीन अधिकारी” से अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन अधिकरण के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त व्यक्ति अभिप्रेत है ;
- (2) उन सभी शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में है ।
3. पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति की रीति- (1) पीठासीन अधिकारी के पद पर नियुक्ति के लिए निम्नलिखित से मिलकर बनायी जाने वाली एक चयन समिति होगी-
- (i) भारत के मुख्य न्यायमूर्ति द्वारा यथा नामनिर्देशित भारत के उच्चतम न्यायालय का एक न्यायाधीश ;
- (ii) भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय का सचिव ;
- (iii) भारत सरकार के विधि और न्याय मंत्रालय का सचिव ;
- (2) उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश चयन समिति का अध्यक्ष होगा ।
- (3) चयन समिति के कोई दो सदस्य जिसके अंतर्गत अध्यक्ष भी है, ऐसी समिति की बैठक के लिए गणपूर्ति का गठन करेंगे ।
- (4) चयन समिति पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति के लिए अभ्यर्थी का चयन करने के लिए अपनी स्वयं की प्रक्रिया बनाएगी ।
- (5) चयन समिति, पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्ति के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा आवेदन आमंत्रित करने के पश्चात् तैयार की गई अभ्यर्थियों की सूची में से व्यक्तियों की सिफारिश करेगी ।

- (6) केन्द्रीय सरकार, चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्ति के लिए चयनित व्यक्तियों की एक सूची बनाएगी और उक्त सूची दो वर्ष की अवधि के लिए विधिमान्य होगी। पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति इस प्रकार तैयार की गई सूची में से की जाएगी।

4. चिकित्सक दृष्ट्या योग्यता— कोई व्यक्ति पीठासीन अधिकारी के रूप में तब तक नियुक्त नहीं किया जाएगा जब तक कि वह केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए गठित किए जाने वाले चिकित्सा बोर्ड द्वारा चिकित्सीय रूप से योग्य घोषित न कर दिया गया हो परन्तु यह तब जब किसी समतुल्य प्राधिकारी द्वारा उसे पहले से ही योग्य घोषित नहीं कर दिया गया हो।

5. केन्द्रीय सरकार का निदेश— यदि इन नियमों के लागू करने के संबंध में कोई प्रश्न उद्भूत होता है तो उसे केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए निर्दिष्ट किया जाएगा और केन्द्रीय सरकार का विनिश्चय लागू किया जाएगा।

6. व्यावृत्ति— इन नियमों की कोई बात, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों और व्यक्तियों के अन्य विशेष प्रवर्गों के लिए इस संबंध में समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार उपबंध किए जाने के लिए अपेक्षित आरक्षणों, आयु-सीमा के शिथिलीकरण और अन्य रियायतों को प्रभावित नहीं करेगी।

7. पद की और गोपनीयता की शपथ— धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति, अपना पद धारण करने से पूर्व, इन नियमों के साथ संलग्न प्रारूप 1 और प्रारूप 2 में पद और गोपनीयता की शपथ लेगा और हस्ताक्षर करेगा।

प्ररूप 1
(नियम 7 देखें)

राष्ट्रीय राजमार्ग के पीठासीन अधिकारी के लिए पद की शपथ का प्ररूप ।

“मैं,.....(पीठासीन अधिकारी का नाम) जो पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त हुआ हूँ सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूँ/ईश्वर की शपथ लेता हूँ कि मैं पीठासीन अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों का श्रद्धापूर्वक और शुद्ध अंतःकरण से, अपनी पूरी योग्यता, ज्ञान और विवेक से तथा भय या पक्षपात, अनुराग या द्वेष के बिना निर्वहन करूँगा ।”

तारीख.....
स्थान.....

पीठासीन अधिकारी का नाम
राष्ट्रीय राजमार्ग अधिकरण

प्ररूप 2
(नियम 7 देखें)

राष्ट्रीय राजमार्ग के पीठासीन अधिकारी के लिए गोपनीयता की शपथ का प्ररूप ।

“मैं,.....(पीठासीन अधिकारी का नाम) जो पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त हुआ हूँ सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूँ/ईश्वर की शपथ लेता हूँ कि जो विषय राष्ट्रीय राजमार्ग अधिकरण के पीठासीन अधिकारी के रूप में मेरे विचार के लिए जाया जाएगा अथवा मुझे ज्ञात होगा उसे किसी व्यक्ति या व्यक्तियों को, तब के सिवाय जबकि ऐसे पीठासीन अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों के सम्यक् निर्वहन के लिए ऐसा करना अपेक्षित हो, मैं प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप में संसूचित या प्रकट नहीं करूँगा ।”

तारीख.....
स्थान.....

पीठासीन अधिकारी का नाम
राष्ट्रीय राजमार्ग अधिकरण

[फा. सं. एनएच-11014/6/2003-पी एण्ड एम]
यू. एस. तिवारी, उप सचिव

MINISTRY OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS
NOTIFICATION

New Delhi, the 8th August, 2003

G.S.R. 645(E).—The following draft of the National Highways Tribunal (Procedure for appointment as Presiding Officer of the Tribunal) Rules, 2003, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 50 of the Control of National Highways (Land and Traffic) Act, 2002 (13 of 2003) is published as required by said section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of the period of thirty days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the public;

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft within the time period specified above shall be considered by the Central Government;

The objections or suggestions may be sent to Shri U.S. Tiwari, Deputy Secretary, Ministry of Road Transport and Highways, Transport Bhavan, 1, Parliament Street, New Delhi-110 001.

DRAFT RULES

1. Short title and commencement – (1) These rules may be called the National Highways Tribunal (Procedure for appointment as Presiding Officer of the Tribunal) Rules, 2003.

(2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.
2. Definitions - (1) In these rules, unless the context otherwise requires -
 - (a) “Act” means the Control of National Highways (Land and Traffic) Act, 2002(13 of 2003);
 - (b) “Tribunal” means the National Highways Tribunal established under sub-section (1) of section 5 of the Act;
 - (c) “Presiding Officer” means a person appointed as Presiding Officer of the Tribunal under sub-section (1) of section 6 of the Act;

(2) All other words and expressions used and not defined in these rules but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.
3. Method of appointment of Presiding Officer – (1) For the purpose of appointment to the post of a Presiding Officer, there shall be a Selection Committee consisting of -

- (i) a Judge of the Supreme Court of India as nominated by the Chief Justice of India;
 - (ii) the Secretary to the Government of India in the Ministry of Road Transport and Highways;
 - (iii) the Secretary to the Government of India in the Ministry of Law and Justice;
 - (2) The Judge of the Supreme Court shall be the Chairman, of the Selection Committee.
 - (3) Any two members of the Selection Committee including the Chairman shall form a quorum for meeting of such Committee.
 - (4) The Selection Committee may devise its own procedure for selecting a candidate for appointment as Presiding Officer.
 - (5) The Selection Committee shall recommend persons for appointment as Presiding Officer from amongst the persons on the list of candidates prepared by the Ministry of Road Transport and Highways after inviting applications therefor.
 - (6) The Central Government shall on the basis of the recommendations of the Selection Committee make a list of persons selected for appointment as Presiding Officer and the said list be valid for a period of two years. The appointment of a Presiding Officer shall be made from the list so prepared.
4. Medical Fitness – No person shall be appointed as a Presiding Officer unless he is declared medically fit by a Medical Board to be constituted by the Central Government for the purpose unless he has already been declared fit by an equivalent authority.
5. Direction of the Central Government – If any question arises relating to the implementation of these rules the same shall be referred to the Central Government for its decision and the decision of the Central Government shall be implemented.
6. Saving – Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward Classes, ex-servicemen and other special categories of persons, in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.
7. Oaths of office and secrecy – Every person appointed to be Presiding Officer under sub-section (1) of section 6 shall, before entering upon his office, make and subscribe an oath of office and secrecy in the Form I and Form II annexed to these rules.

FORM-I

(See rule 7)

Form of oath of office for Presiding Officer of the National Highways Tribunal.

“I,.....(Name of the Presiding Officer) having been appointed as Presiding Officer do solemnly affirm/do swear in the name of God that I will faithfully and conscientiously discharge my duties as Presiding Officer to the best of my ability, knowledge and judgement, without fear or favour, affection or ill will.”

Date.....

Name of the Presiding Officer

Place.....

National Highways Tribunal

FORM-II

(See rule 7)

Form of oath of secrecy for Presiding Officer of the National Highways Tribunal.

“I,.....(Name of the Presiding Officer) having been appointed as Presiding Officer do solemnly affirm/do swear in the name of God that I will not directly or indirectly communicate or reveal to any person or persons any matter which shall be brought under my consideration or shall become known to me as Presiding Officer of said National Highways Tribunal except as may be required for the due discharge of my duties as the Presiding Officer.”

Date.....

Name of the Presiding Officer

Place.....

National Highways Tribunal

[F. No. NH-11014/6/2003-P&M]

U. S. TIWARI, Dy. Secy.